Date - 11 March 2022

दान-ए-पेंशन पहल

- हाल ही में, श्रम मंत्रालय द्वारा एक 'पेंशन दान पहल'/'दान-ए-पेंशन' पहल शुरू की गई है।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु:

- यह कार्यक्रम 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन' (प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन: पीएम-एसवाईएम) के तहत शुरू किया गया है ताकि लोगों को अपने सहायक कर्मचारियों के 'पेंशन फंड' में योगदान दिया जा सके।
- इसके तहत भारत के नागरिक अपने घर या प्रतिष्ठान में घरेलू कामगार ड्राइवर, हेल्पर, केयरगिवर्स, नर्स जैसे तत्काल सहायक स्टाफ के लिए प्रमुखता से योगदान कर सकते हैं।

'प्रधान मंत्री श्रम योगी मान-धन योजना' के बारे में:

- 'प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना' (पीएम-एसवाईएम) 50:50 के अनुपात के आधार पर एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, जिसमें लाभार्थी एक निर्धारित आयु-विशिष्ट योगदान देता है और केंद्र सरकार द्वारा संबंधित राशि लाभार्थी का खाता।
- कार्यान्वयन: योजना की निगरानी और पर्यवेक्षण 'श्रम और रोजगार मंत्रालय' द्वारा किया जाएगा और इसे भारतीय जीवन बीमा निगम और 'जन सेवा केंद्र ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड' (सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड – सीएससी एसपीवी) द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।
- पात्रता: इस योजना के तहत असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले 18-40 वर्ष के आयु वर्ग के श्रमिक अपना पंजीकरण करा सकते हैं और अपनी उम्र के आधार पर हर साल न्यूनतम 660 रुपये से 2400 रुपये जमा कर सकते हैं।
- लाभार्थी व्यक्ति 'नई पेंशन योजना' (एनपीएस), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लाभों के अंतर्गत नहीं आता है और उसे आयकर दाता नहीं होना चाहिए।
- लाभ: 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद लाभार्थी को प्रति माह 3,000 रुपये की न्यूनतम सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाएगी।

लाभार्थी:

Yojna IAS

- असंगठित कामगार, गृह कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, मिड-डे मील वर्कर, हैड लोडर, ईंट भट्ठा मजदूर, चर्मकार, कूड़ा बीनने वाले, घरेलू कामगार, धोबी, रिक्शेवाले, भूमिहीन मजदूर, खेतिहर मजदूर, निर्माण मजदूर, बीड़ी मजदूर, हथकरघा मजदूर, चमड़ा श्रमिक, ऑडियो-वीडियो श्रमिक और समान व्यवसायों में अन्य श्रमिक जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये या उससे कम है।

राष्ट्रीय जलमार्ग

- हाल ही में राष्ट्रीय जलमार्ग के माध्यम से पहली बार पटना से बांग्लादेश होते हुए खाद्यान्न गुवाहाटी के 'पांडु' भेजा गया। इसके लिए ब्रह्मपुत्र (NW2) को 'इंडो बांग्लादेश प्रोटोकॉल (IBP)' मार्ग के माध्यम से गंगा (राष्ट्रीय जलमार्ग -1) से जोड़ा गया है, इस प्रकार असम में अंतर्देशीय जलमार्ग के लिए एक नए युग की शुरुआत हुई है।
- एमवी लाल बहादुर शास्त्री जहाज ने भारतीय खाद्य निगम (FCI) के लिए 200 मीट्रिक टन खाद्यान्न लेकर पटना से गुवाहाटी के लिए पहली पायलट यात्रा पूरी की।
- इस जहाज से राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा नदी) भागलपुर, मनिहारी, साहिबगंज, फरक्का, ट्रिबेनी, कोलकाता, हल्दिया, हेमनगर होते हुए यात्रा करेगा. इसके अलावा इसने खुलना, नारायणगंज, सिराजगंज, चिलमारी और धुबरी के राष्ट्रीय जलमार्ग नंबर-2 और इंडो बांग्लादेश प्रोटोकॉल (आईबीपी) के जोगीघोपा के माध्यम से 2,350 किलोमीटर की दूरी तय की।

भारत में अंतर्देशीय जलमार्ग:

- देश में अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत 111 'अंतर्देशीय जलमार्ग' को 'राष्ट्रीय जलमार्ग' घोषित किया गया है।
- भारत सरकार द्वारा अंतर्देशीय जल परिवहन को देश में रेल और सड़क परिवहन के एक किफायती, पर्यावरण के अनुकूल पूरक साधन के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है।

क्या आप यह जानते थे?

- संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत 'संघ सूची' की प्रविष्टि 24 के तहत, केंद्र सरकार को संसद द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में वर्गीकृत अंतर्देशीय जलमार्गों पर नेविगेशन और नेविगेशन से संबंधित कानून बनाने की शक्ति है।

भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जलमार्ग:

राष्ट्रीय जलमार्ग 1:

- इलाहाबाद से हल्दिया (1620 किमी दूरी) ।
- राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (NW1) गंगा, भागीरथी और हुगली नदी प्रणालियों से होकर गुजरता है और हल्दिया, फरक्का और पटना में इस मार्ग पर 'फिक्स्ड टर्मिनल' हैं।
- कोलकाता, भागलपुर, वाराणसी और इलाहाबाद जैसे नदी किनारे के शहरों में इस जलमार्ग पर फ्लोटिंग टर्मिनल बनाए गए हैं।
- यह भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग है।

Yojna IAS

राष्ट्रीय जलमार्ग **2:**

- असम राज्य में 'सदिया से धुबरी' तक ब्रह्मपुत्र नदी के जलमार्ग को 'राष्ट्रीय जलमार्ग 2' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- NW2 देश का तीसरा सबसे लंबा जलमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई 891 किमी है।

राष्ट्रीय जलमार्ग **3:**

- केरल राज्य में 'कोल्लम से कोट्टापुरम' तक बहने वाली 'वेस्ट कोस्ट नहर' को NW3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- 205 किमी लंबी 'वेस्ट कोस्ट कैनाल' भारत का पहला जलमार्ग है जिसमें सर्वकालिक नौवहन सुविधा है।
- राष्ट्रीय जलमार्ग 3 (NW3) में वेस्ट कोस्ट नहर, चंपाकारा नहर और उद्योगमंडल नहर शामिल हैं।
- यह जलमार्ग कोट्टापुरम, चेरथला, त्रिकुन्नापुझा, कोल्लम और अलाप्पुझा से होकर गुजरता है।

राष्ट्रीय जलमार्ग **4:**

- राष्ट्रीय जलमार्ग 4 (NW4) काकीनाडा को पांडिचेरी से जोड़ता है।
- यह भारत का दूसरा सबसे लंबा जलमार्ग है।
- आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से गुजरने वाले इस जलमार्ग की कुल लंबाई 1095 किमी है।

राष्ट्रीय जलमार्ग **5:**

- राष्ट्रीय जलमार्ग 5 (NW5) ओडिशा को पश्चिम बंगाल से जोड़ता है।
- यह ब्राह्मणी नदी, पूर्वी तट नहर, मताई नदी और महानदी नदी की धाराओं से होकर गुजरती है।
- 623 किमी लंबी यह नहर प्रणाली कोयला, उर्वरक, सीमेंट और लोहे जैसे कार्गो के यातायात को संभालती है।

राष्ट्रीय जलमार्ग **6:**

- राष्ट्रीय जलमार्ग 6 (NW6) असम में एक प्रस्तावित जलमार्ग है।
- यह बराक नदी के रास्ते लखीपुर को भांगा से जोड़ेगा।
- सिलचर (असम) से मिजोरम के बीच व्यापार को 121 किमी लंबे जलमार्ग के माध्यम से बढ़ावा मिलेगा

Yojna IAS

UPI123Pay

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने डिजिटल भुगतान करने के लिए गैर-इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के फोन के लिए UPI123Pay नामक एक नई UPI सेवा शुरू की है, साथ ही 'DigiSathi' नामक डिजिटल भुगतान के लिए एक 24×7 हेल्पलाइन भी शुरू की है।
- डिजिटल भुगतान उत्पादों और सेवाओं से संबंधित जानकारी पर उपयोगकर्ताओं को स्वचालित प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा डिजीसाथी की स्थापना की गई है। वर्तमान में यह अंग्रेजी और हिंदी भाषा में उपलब्ध है।

एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई)

- यह तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) का एक उन्नत संस्करण है जो कैशलेस भुगतान को तेज और आसान बनाने के लिए चौबीसों घंटे धन अंतरण सेवा है।
- UPI एक ऐसी प्रणाली है जो एक ही मोबाइल एप्लिकेशन (किसी भी भाग लेने वाले बैंक के) के माध्यम से कई बैंकिंग सुविधाओं, निर्बाध फंड रूटिंग और कई बैंक खातों में मर्चेंट भुगतान को शक्ति प्रदान करती है।
- वर्तमान में UPI नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (NACH), तत्काल भुगतान सेवा (IMPS), आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS), भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS), रुपे आदि सहित भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा संचालित प्रणालियों में सबसे बड़ा है।
- वर्तमान शीर्ष UPI ऐप्स में PhonePe, Paytm, Google Pay, Amazon Pay और BHIM App शामिल हैं|

'UPI123Pay' क्या है?

- यह उन सामान्य फोनों पर काम करेगा जिनमें इंटरनेट कनेक्शन नहीं है।
- अभी तक UPI फीचर ज्यादातर स्मार्टफोन पर ही उपलब्ध है।
- फीचर फोन के लिए यूपीआई सेवा खुदरा भुगतान पर आरबीआई के नियामक सैंडबॉक्स का लाभ उठाएगी।
- एक नियामक सैंडबॉक्स आमतौर पर नियंत्रित/परीक्षण किए गए नियामक वातावरण में नए उत्पादों या सेवाओं के लाइव परीक्षण को संदर्भित करता है जिसके लिए नियामक परीक्षण के सीमित उद्देश्य के लिए कुछ नियामक छूट की अनुमति दी जा सकती है।
- यूपीआई सेवा यूपीआई अनुप्रयोगों में 'ऑन-डिवाइस' वॉलेट तंत्र के माध्यम से डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाएगी।
- उपयोगकर्ता आईवीआर (इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस) नंबर, मिस्ड कॉल-आधारित दृष्टिकोण, फीचर फोन में ऐप की कार्यक्षमता और 'नियर वॉयस' आधारित भुगतान सहित चार प्रौद्योगिकी विकल्पों के आधार पर कई लेनदेन करने में सक्षम होंगे।

लाभ:

Yojna IAS

- फीचर फोन के लिए नई सेवा व्यक्तियों को स्मार्टफोन और इंटरनेट के बिना सीधे दूसरों को भुगतान करने में सक्षम बनाएगी।
- उपयोगकर्ता दोस्तों और परिवार को भुगतान कर सकते हैं, उपयोगिता बिलों का भुगतान कर सकते हैं, अपने वाहन के फास्टैग को रिचार्ज कर सकते हैं, मोबाइल बिलों का भुगतान कर सकते हैं और उपयोगकर्ता अपने खाते की शेष राशि की जांच कर सकते हैं।
- यह ग्राहकों को स्कैन और भुगतान को छोड़कर लगभग सभी लेनदेन के लिए फीचर फोन का उपयोग करने की अनुमति देगा।
- UPI123Pay से लगभग 400 मिलियन फीचर फोन उपयोगकर्ताओं को लाभ होगा और वे सुरक्षित तरीके से डिजिटल भुगतान करने में सक्षम होंगे। यह गैर-स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान प्रणाली से जोड़ने में मदद करेगा।

Swadeep Kumar

Yojna IAS